पाँच छोटे बंदर

जूलियट केप्स

बुज़ो, बिंकी, बीबी, बुलू और बाली नाम के बंदर जंगल के सभी जानवरों के लिए परेशानी का सबब थे - सभी जानवरों के लिए, सिवाय टेरिबल, टाइगर को छोड़कर क्योंकि उससे हर कोई डरता था. पाँचों बंदर हमेशा चालें चलते रहते थे, यहाँ तक कि पेकरी, कोमल जंगली सुअर के साथ भी: वे शेर पर नारियल फेंकते थे; और उन्होंने मगरमच्छ का मुँह खोलकर उसे नदी में बहा दिया था.

लेकिन एक दिन ऐसा आया जब बंदरों को सज़ा मिलनी थी. यह पेकरी ही था जिसने उन्हें दुखद अंत से बचाया और उनसे अच्छा बनने का वादा करवाया. उन्होंने कुछ अच्छे काम भी किये थे, जब एक दिन टेरिबल ने उत्पात मचाया था.

मिसेज केप्स की मज़ेदार कहानी ऐसी है जिसे पढ़कर युवा पाठक खुशी से झूम उठेंगे. यह एक अनोखी चित्र पुस्तक है जो सभी उम्र के लोगों को गुदगुदाएगी. बच्चे छोटे बंदरों की हरकतों पर हंसेंगे और एलैंड, पेकेरी, टेरिबल और अन्य जंगल के जानवरों की असामान्य तस्वीरों पर विस्मय से चिल्लाएंगे.

पाँच छोटे बंदर

जूलियट केप्स

यह पाँच छोटे बंदरों - बुज़ो, बिंकी, बुलू, बीबी और बाली के बारे में एक कहानी है. वे शरारती और बदमाश बंदर थे और जंगल में जहाँ वे रहते थे, वहाँ अन्य जानवरों के लिए परेशानी और पीड़ा थे. एकमात्र जानवर जिसके साथ उन्होंने कभी कोई चाल नहीं चली, वह टेरिबल टाइगर था जो जंगल के सबसे घने हिस्से में एक गुफा में रहता था. टेरिबल कभी-कभी अपना भोजन लेने के लिए अपनी गुफा से बाहर आता था, लेकिन इतनी तेज़ दहाड़ और इतनी ज़बरदस्त गुर्राहट से कि बंदर भी डरकर भाग जाते थे.
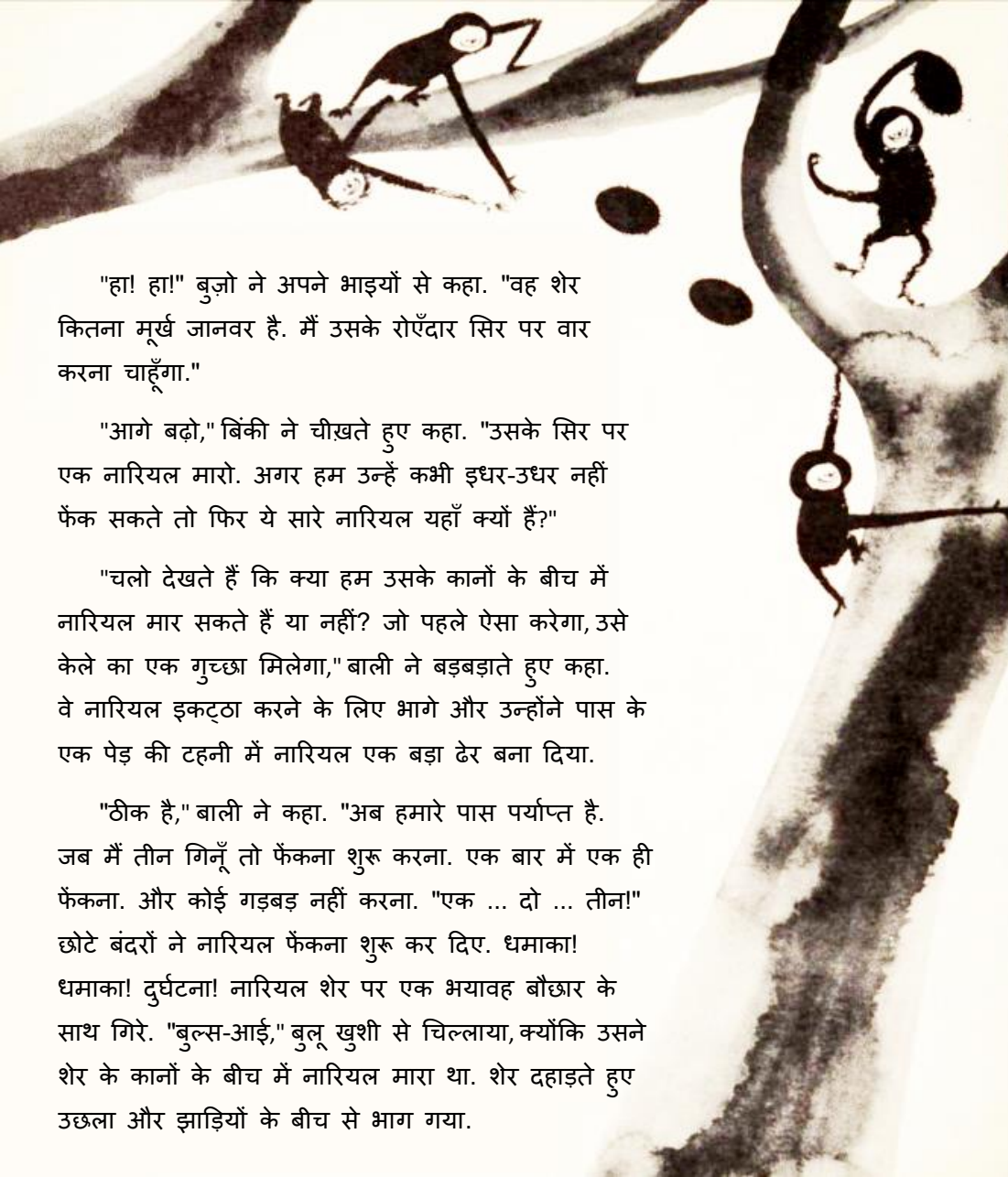
एक सुंदर दोपहर में सूरज आसमान से गर्म चमक रहा था, और कीड़ों की भिनभिनाहट जंगल में एकमात्र शोर थी. सभी जानवर अपनी दोपहर की झपकी ले रहे थे. शेर एक विशाल पेड़ की छाया में सो रहा था. एलैंड कुछ बड़ी ऊँची चढ़ाई वाली लताओं के नीचे खड़ा था. ज़ेबरा लंबी ठंडी घासों में खड़ा हुआ था. हाथी मोटे दरियाई घोड़े के साथ पानी के गड्ढे में सुस्ती से लेटा हुआ था. मस्से वाला सूअर नरम काली मिट्टी में लोट रहा था.

अचानक, एक शाखा को छोटा सा झटका लगा, कुछ नरम उत्साहित चहचहाहट. पाँच छोटे बंदर, बुज़ो, बिंकी, बुलू, बीबी और बाली, चुपचाप पेड़ की चोटी पर थे. वे शेर को देखने के लिए रुके, और उन्होंने उसकी उसकी नींद को हराम करने का फैसला किया.

"हा! हा!" बुज़ो ने अपने भाइयों से कहा. "वह शेर कितना मूर्ख जानवर है. मैं उसके रोएँदार सिर पर वार करना चाहूँगा."

"आगे बढ़ो," बिंकी ने चीख़ते हुए कहा. "उसके सिर पर एक नारियल मारो. अगर हम उन्हें कभी इधर-उधर नहीं फेंक सकते तो फिर ये सारे नारियल यहाँ क्यों हैं?"

"चलो देखते हैं कि क्या हम उसके कानों के बीच में नारियल मार सकते हैं या नहीं? जो पहले ऐसा करेगा, उसे केले का एक गुच्छा मिलेगा," बाली ने बड़बड़ाते हुए कहा. वे नारियल इकट्ठा करने के लिए भागे और उन्होंने पास के एक पेड़ की टहनी में नारियल एक बड़ा ढेर बना दिया.

"ठीक है," बाली ने कहा. "अब हमारे पास पर्याप्त है. जब मैं तीन गिनूँ तो फेंकना शुरू करना. एक बार में एक ही फेंकना. और कोई गड़बड़ नहीं करना. "एक ... दो ... तीन!" छोटे बंदरों ने नारियल फेंकना शुरू कर दिए. धमाका! धमाका! दुर्घटना! नारियल शेर पर एक भयावह बौछार के साथ गिरे. "बुल्स-आई," बुलू खुशी से चिल्लाया, क्योंकि उसने शेर के कानों के बीच में नारियल मारा था. शेर दहाड़ते हुए उछला और झाड़ियों के बीच से भाग गया.
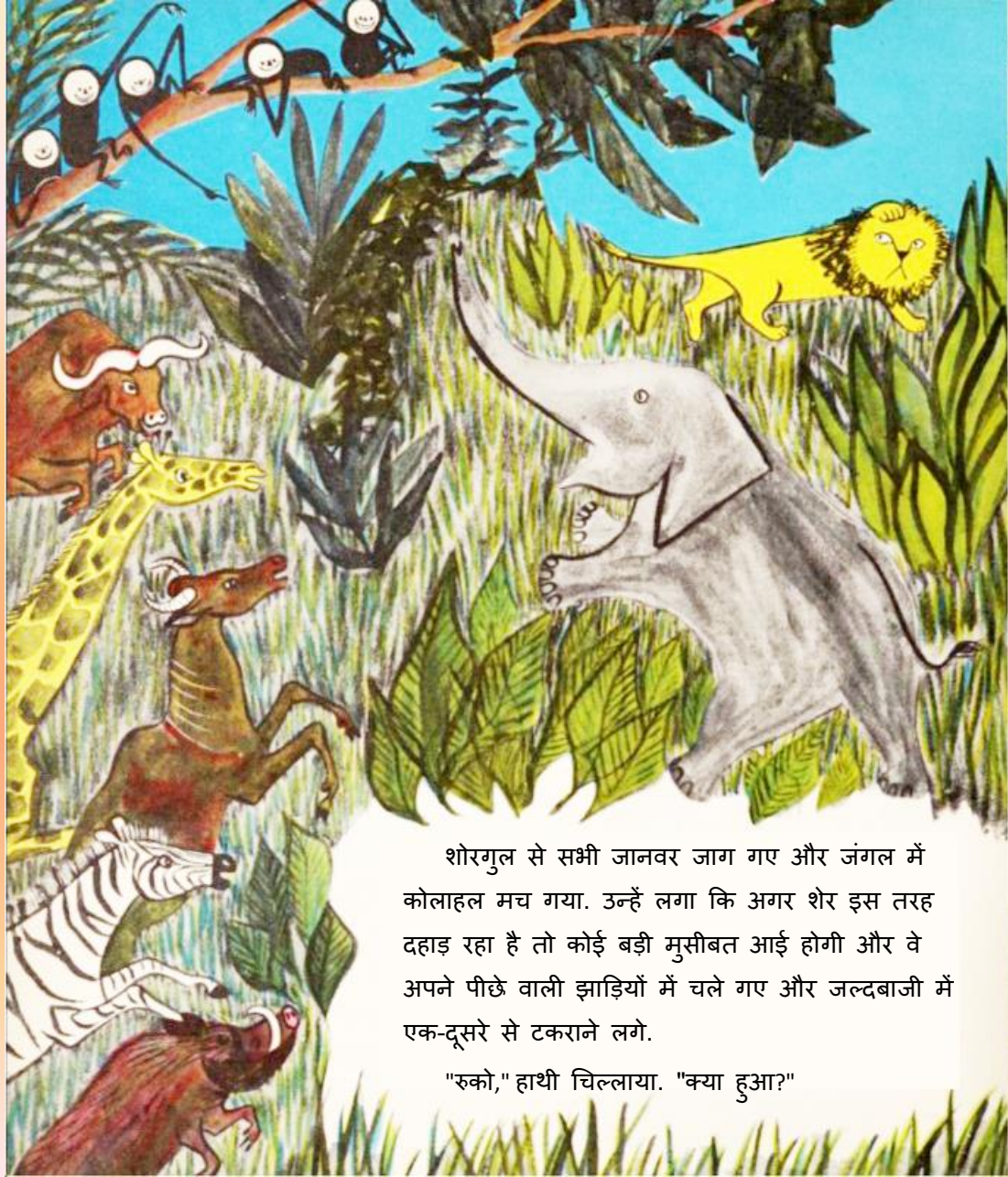
शोरगुल से सभी जानवर जाग गए और जंगल में कोलाहल मच गया. उन्हें लगा कि अगर शेर इस तरह दहाड़ रहा है तो कोई बड़ी मुसीबत आई होगी और वे अपने पीछे वाली झाड़ियों में चले गए और जल्दबाजी में एक-दूसरे से टकराने लगे.

"रुको," हाथी चिल्लाया. "क्या हुआ?"
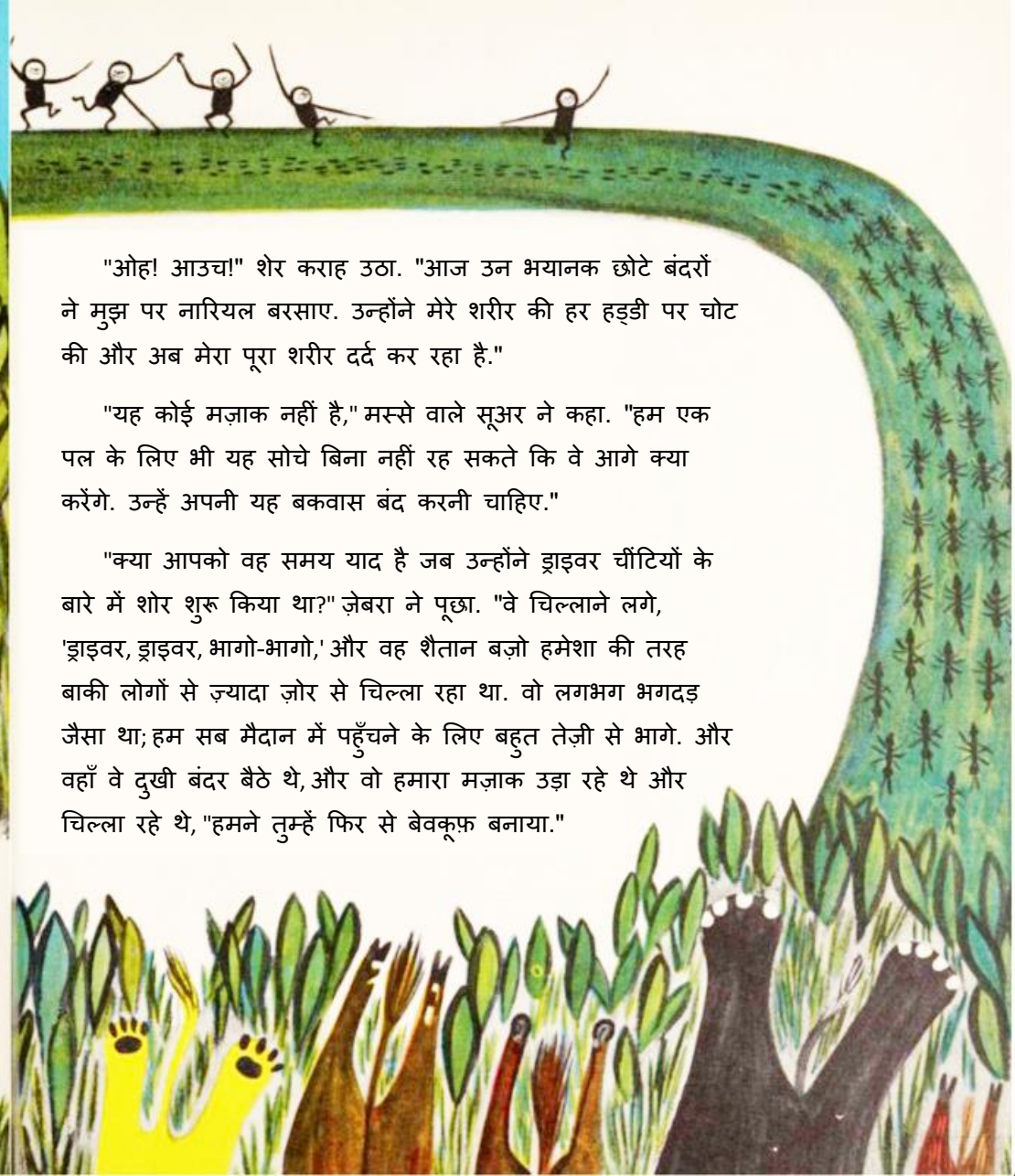
"ओह! आउच!" शेर कराह उठा. "आज उन भयानक छोटे बंदरों ने मुझ पर नारियल बरसाए. उन्होंने मेरे शरीर की हर हड्डी पर चोट की और अब मेरा पूरा शरीर दर्द कर रहा है."

"यह कोई मज़ाक नहीं है," मस्से वाले सूअर ने कहा. "हम एक पल के लिए भी यह सोचे बिना नहीं रह सकते कि वे आगे क्या करेंगे. उन्हें अपनी यह बकवास बंद करनी चाहिए."

"क्या आपको वह समय याद है जब उन्होंने ड्राइवर चींटियों के बारे में शोर शुरू किया था?" ज़ेबरा ने पूछा. "वे चिल्लाने लगे, 'ड्राइवर, ड्राइवर, भागो-भागो,' और वह शैतान बज़ो हमेशा की तरह बाकी लोगों से ज़्यादा ज़ोर से चिल्ला रहा था. वो लगभग भगदड़ जैसा था; हम सब मैदान में पहुँचने के लिए बहुत तेज़ी से भागे. और वहाँ वे दुखी बंदर बैठे थे, और वो हमारा मज़ाक उड़ा रहे थे और चिल्ला रहे थे, "हमने तुम्हें फिर से बेवकूफ़ बनाया."

"मुझे निश्चित रूप से वो घटना याद है," पानी के भैंसे ने चिल्लाते हुए कहा. "वह दिन था जब टेरिबल ने लगभग ग्नू को पकड़ लिया था, जब हम सभी खुले मैदान में थे."

"यह एकमात्र ऐसा समय नहीं था जब उन्होंने मुझे डराया था," ग्नू ने कहा. "पिछले गुरुवार को जब शिकारी आए थे, तो बाली ने मुझे बताया कि मेरा सबसे छोटा बेटा मैदान में भटक गया था, और शिकारी उसके पीछे पड़े थे. मैं उसे खोजने के लिए दौड़ा और लगभग खुद ही पकड़ा गया. वैसे मेरा बच्चा उस समय अपनी माँ के साथ घर पर था."
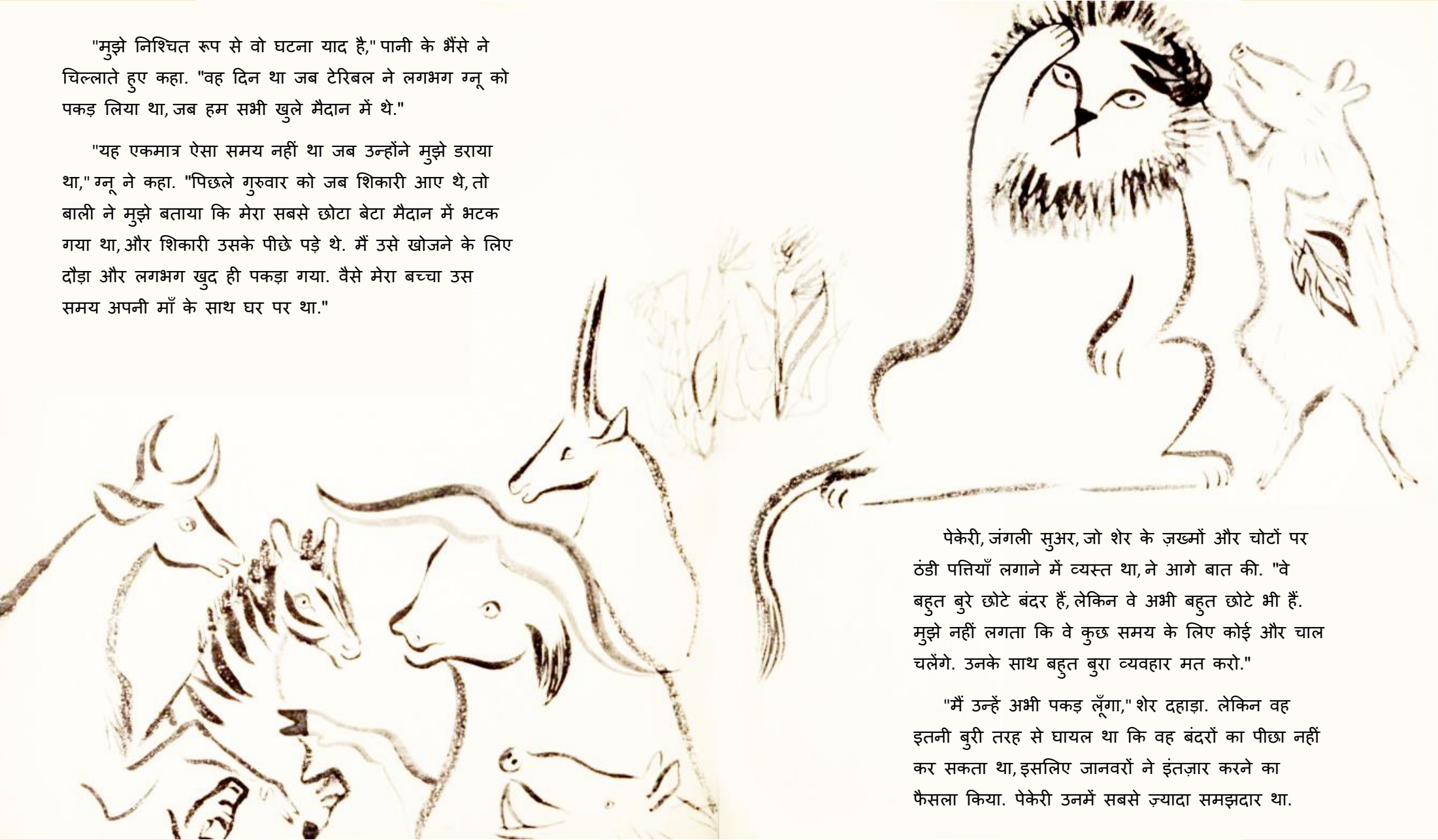
पेकेरी, जंगली सुअर, जो शेर के ज़ख्मों और चोटों पर ठंडी पत्तियाँ लगाने में व्यस्त था, ने आगे बात की. "वे बहुत बुरे छोटे बंदर हैं, लेकिन वे अभी बहुत छोटे भी हैं. मुझे नहीं लगता कि वे कुछ समय के लिए कोई और चाल चलेंगे. उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार मत करो."

"मैं उन्हें अभी पकड़ लूँगा," शेर दहाड़ा. लेकिन वह इतनी बुरी तरह से घायल था कि वह बंदरों का पीछा नहीं कर सकता था, इसलिए जानवरों ने इंतज़ार करने का फैसला किया. पेकेरी उनमें सबसे ज़्यादा समझदार था.
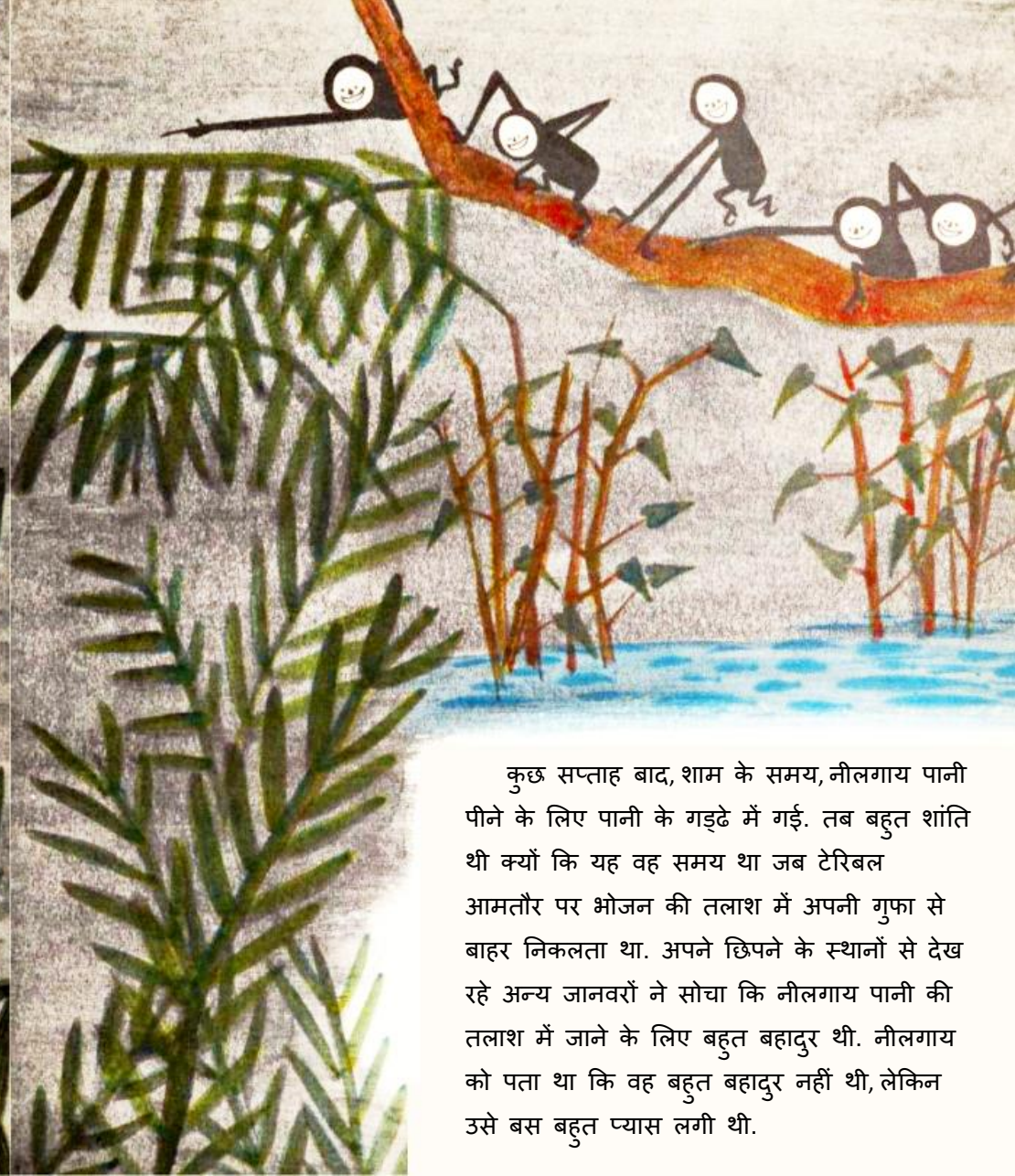
कुछ सप्ताह बाद, शाम के समय, नीलगाय पानी पीने के लिए पानी के गड्ढे में गई. तब बहुत शांति थी क्यों कि यह वह समय था जब टेरिबल आमतौर पर भोजन की तलाश में अपनी गुफा से बाहर निकलता था. अपने छिपने के स्थानों से देख रहे अन्य जानवरों ने सोचा कि नीलगाय पानी की तलाश में जाने के लिए बहुत बहादुर थी. नीलगाय को पता था कि वह बहुत बहादुर नहीं थी, लेकिन उसे बस बहुत प्यास लगी थी.

बाहर निकलते समय उसे सब कुछ बहुत शांतिपूर्ण लगा. उसने ऊपर पेड़ पर बैठे पाँच छोटे बंदरों की फुसफुसाहट और साजिशों को नहीं सुना. उन्होंने अभी-अभी नीलगाय की पीठ पर छलांग लगाने और उसे बुरी तरह डराने का फैसला किया था.

“पहले कौन कूदेगा?” बुलू ने पूछा.

“चलो सब एक साथ कूदते हैं,” बुज़ो ने कहा, “यह बहुत मज़ेदार होगा और उससे वो डर जाएगा.”

“एक . . . दो . . . तीन . . . कूदो!” बीबी चिल्लाई.

वे सब एक साथ कूद पड़े और नीलगाय, पांच बंदरों को अपनी पीठ से चिपकाए हुए एक भयानक डर में भागी.

"क्या रोमांचक सवारी है," बिंकी चिल्लाया. "अपनी जान बचाओ, लड़कों."

तब नीलगाय को एहसास हुआ कि यह बंदर थे और टेरिबल बाघ नहीं, जो उस पर झपटा था, और वह रुक गई. बिंकी, बुलू, बीबी, बुज़ो और बाली लुढ़क गए और निकटतम पेड़ पर चढ़ गए. फिर वे देर तक हंसते रहे.

नीलगाय की सांस फूल रही थी, लेकिन वह उन पर चिल्लाने में कामयाब रही, "तुम लोग सावधान रहो. हम तुम्हारी चालों को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं करेंगे."

यह खबर फैल गई कि अगली पूर्णिमा पर पानी के गड्ढे के पास एक बैठक होने वाली है. तीन रातों बाद, ठीक आधी रात को, बंदरों और टेरिबल को छोड़कर सभी जानवर पानी के गड्ढे की ओर लड़खड़ाते, उछलते, चलते और फिसलते हुए पहुंचे. टेरिबल को कभी भी कहीं भी आमंत्रित नहीं किया जाता था और खासकर बैठकों के लिए तो बिल्कुल भी नहीं.

शेर ने नाकों की गिनती की. "मुझे लगता है कि अब हम सब यहाँ हैं," उसने कहा, जब उसने नाकों की जाँच की और दोबारा जाँच की. "और तुम जानते हो क्यों. हम तय करने जा रहे हैं कि बुज़ो, बिंकी, बुलू, बीबी और बाली के बारे में क्या करना है. क्या किसी के पास कोई योजना है?"
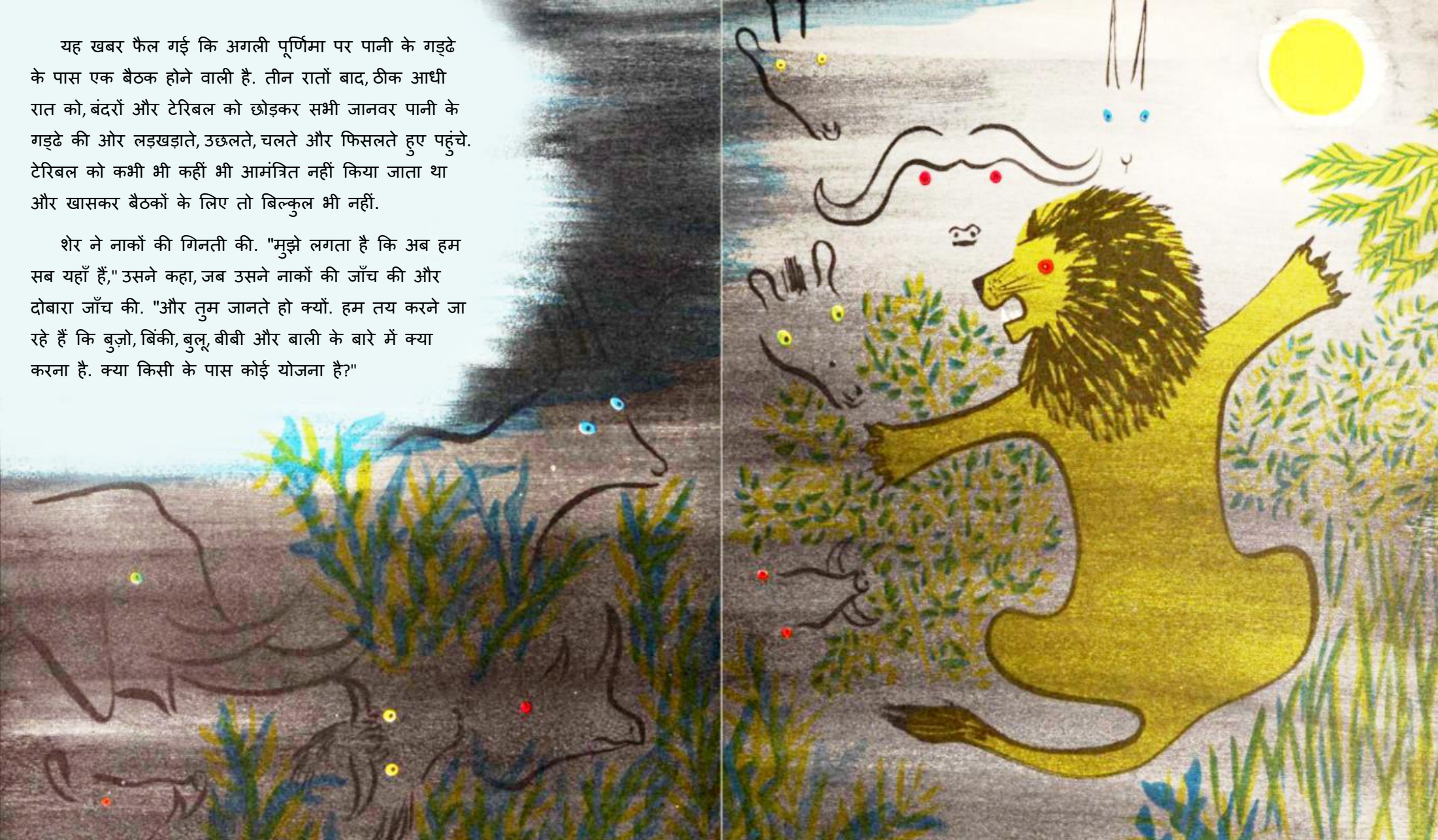
"क्यों न हम उन्हें पकड़ लें और उनके सिरों नदी में डुबो दें?" चीते ने पुकारा.
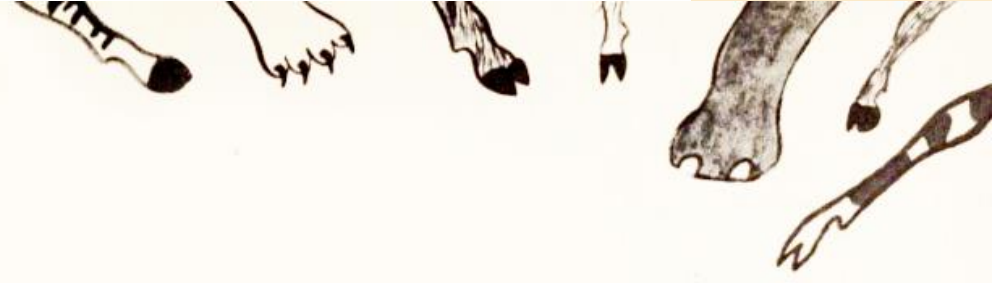
"उन्हें पकड़ो," शेर ने दहाड़ते हुए कहा. "हममें से कौन ऐसा कर सकता है, मेरे प्यारे?"

"मैं तुम्हारे लिए उन पर झपटूँगा," तेंदुए ने कहा.

शेर ने उस पर चिल्लाते हुए कहा. "तुम उन सभी पर एक साथ कैसे झपट सकते हो? जब तुम एक को पकड़ोगे तो बाकी चार तुम्हारी मूंछें खींच लेंगे!"

"मगरमच्छ उन्हें क्यों नहीं खा जाता," नीलगाय ने सुझाव दिया.

"मगरमच्छ उनके पास तक नहीं जाता है," शेर चिल्लाया. "क्या तुम उस दिन को भूल गए हो जब उन्होंने उसके मुँह को एक शाखा से बंद कर दिया था और उसे नदी में बहा दिया था?"

"ठीक है," शेर ने आगे कहा, "मेरे पास एक बेहतर योजना है. जैसा कि आप सभी जानते हैं, शिकारियों ने कल एक बहुत बड़ा गड्ढा खोदा है और उसे शाखाओं से ढक दिया. बेचारा जानवर जो शाखाओं पर पैर रखेगा, गड्ढे में गिर जाएगा और उसे पिंजरे में डालकर चिड़ियाघर ले जाया जाएगा."

"हम सभी ने उन्हें गड्ढा बनाते देखा है," ज़ेबरा ने कहा, "बंदरों को छोड़कर. वे कल दोपहर पहाड़ी की चोटी पर अपने दादाजी की जन्मदिन की पार्टी में गए थे."

"ठीक है," शेर ने कहा, "चलो शाखाओं को हटा दें और गड्ढे के तल को केले से ढक दें. बंदर उनके पीछे कूद पड़ेंगे. और उस गड्ढे के किनारे इतने खड़े हैं कि वे कभी बाहर नहीं निकल पाएँगे. फिर शिकारी उन्हें चिड़ियाघर ले जाएँगे और हम बंदरों से हमेशा के लिए छुटकारा पा लेंगे."

अगली सुबह जानवर केले और मेवे इकट्ठा करने के लिए जल्दी उठ गए. शेर ने उन्हें गड्ढे में रखने की निगरानी की और वो उन परिणामों से प्रसन्न था. बंदर उस सुबह पूरी रात सोते रहे क्योंकि वे कुछ और शरारत करने की योजना बनाने के लिए रात को देर तक जागे थे.
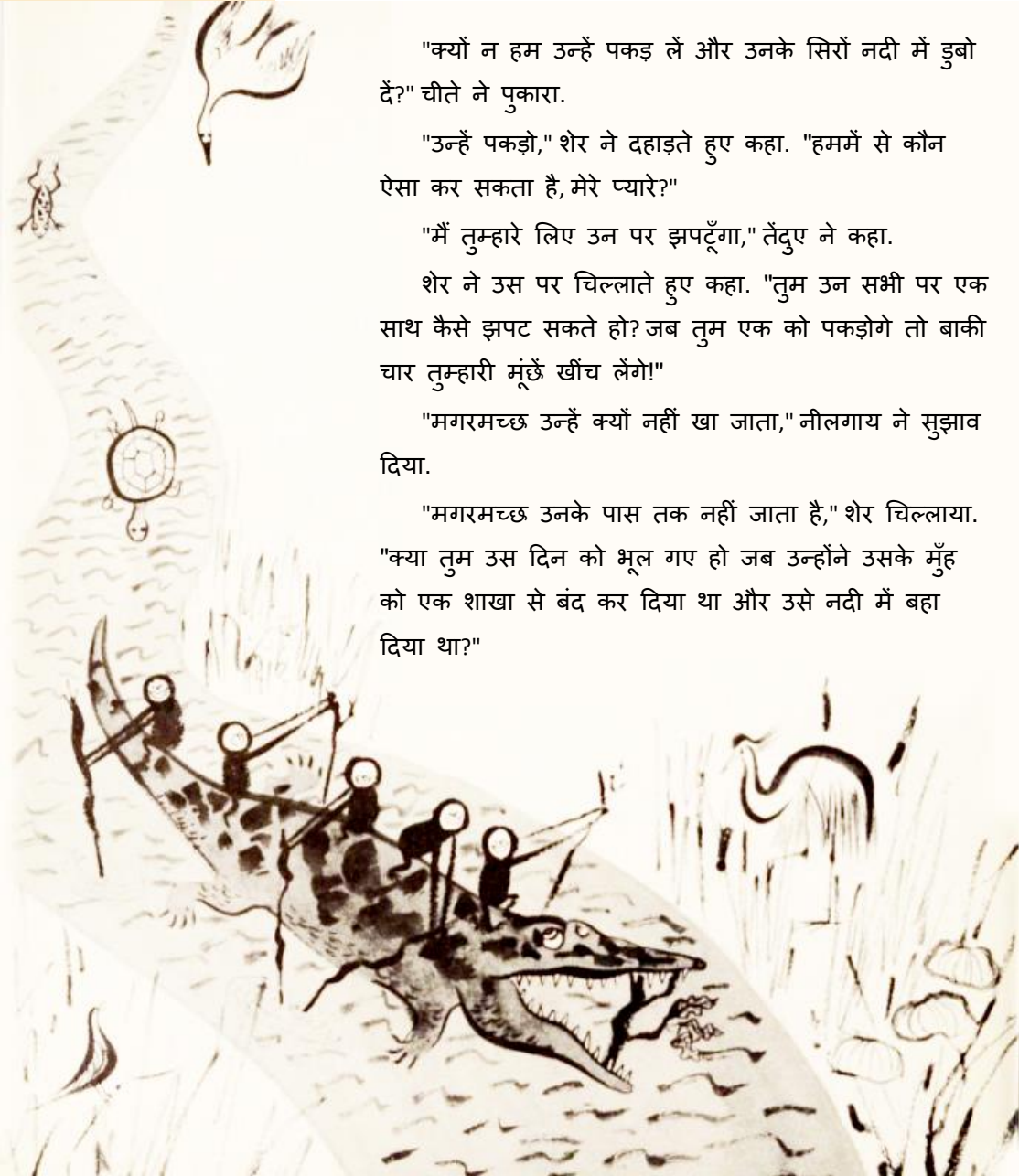
दोपहर के करीब, जानवरों ने सोने का नाटक किया, लेकिन वे वास्तव में आधी खुली आँखों से गड्ढे को देख रहे थे. बहुत जल्द बंदर मैदान में अपनी नई चाल खेलने के लिए रेंगते हुए आए.

बुलू अचानक रुक गया और सूँघने लगा. "अरे, लड़कों! क्या तुम्हें वही गंध आ रही है जो मुझे आ रही है?"

"बताओ," बिंकी ने कहा. "यह केले हैं! और यह खुशबू वहाँ उस गड्ढे से आ रही है."

वे दौड़े और गड्ढे में नीचे देखा, और निश्चित रूप से, नीचे केले और मेवे भरे हुए थे.

"दुनिया में कौन उन सभी को इकट्ठा कर सकता है?" बीबी ने चिल्लाते हुए कहा.

"इस बारे में चिंता मत करो. चलो कूदते हैं और उन्हें खाते हैं." बाली ने उत्साह से खुद को संभालते हुए कहा.

वे एक साथ कूद पड़े, पाँच मूर्ख छोटे बंदर, गड्ढे के तल पर लुढ़कते और एक-दूसरे पर उछलते हुए. उन्होंने जितनी जल्दी हो सके फल इकट्ठे किए, और जब उनकी बाहें भर गईं तो वे बाहर निकलने लगे.

बुलू को सबसे पहले एहसास हुआ कि गड्ढे के किनारे बहुत ज़्यादा खड़े हैं. "हमें केले नीचे गिराकर देखना चाहिए कि क्या हम उनके बिना बाहर निकल सकते हैं," उसने कहा.

वे कूदे और हवा में उछले, लेकिन जैसा कि शेर ने कहा था, गड्ढे के किनारे बहुत ज़्यादा खड़े थे, यहाँ तक कि इतने अच्छे कूदने वालों के लिए भी.

"यह बहुत बुरा हुआ है," बुलू ने कहा. "हमें मदद के लिए किसी को बुलाना चाहिए."

"लेकिन हमने जो शैतानी की है और जो चालें चली हैं, उसके बाद हमारी मदद कौन करेगा?" बीबी ने फुसफुसाते हुए कहा.
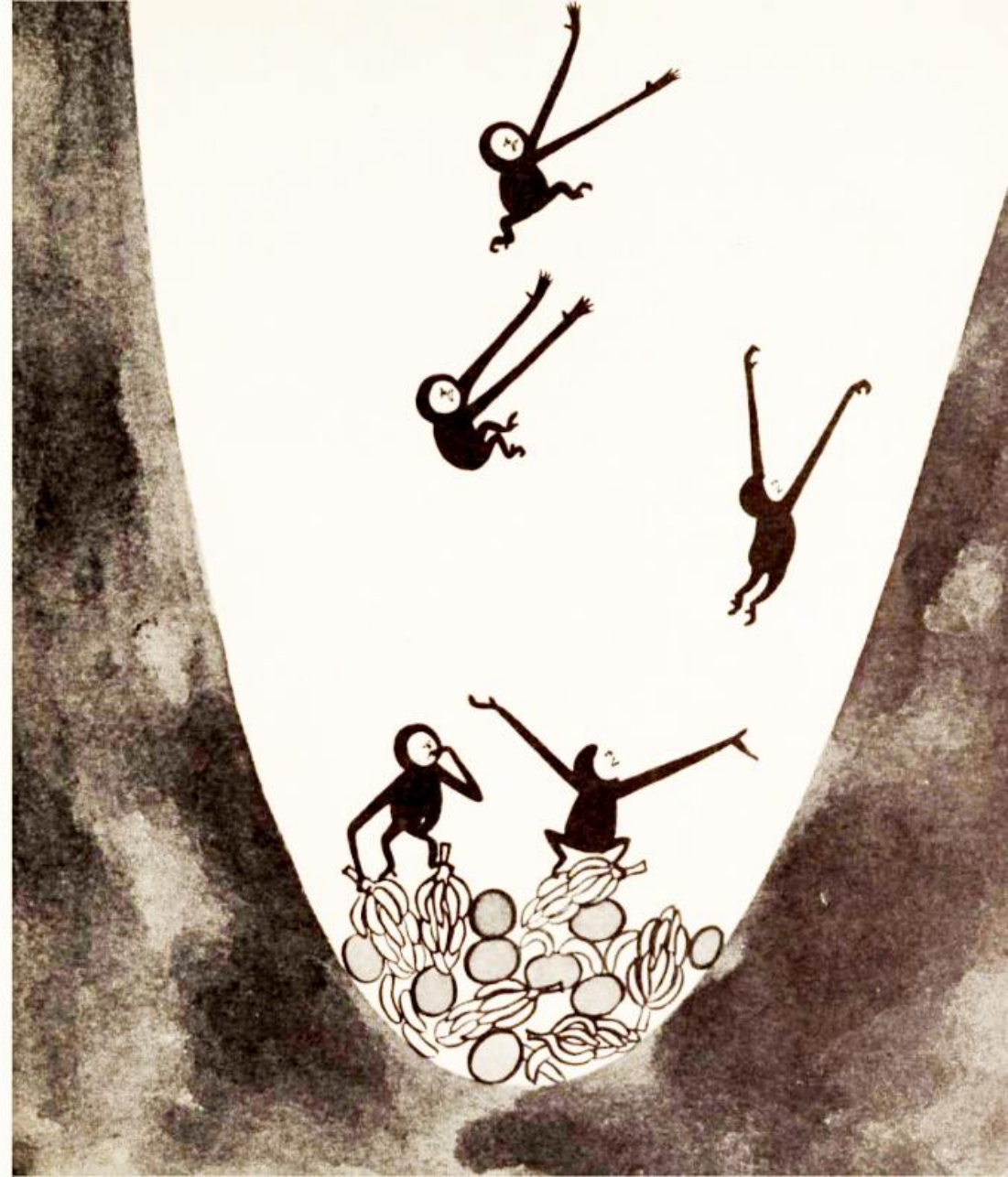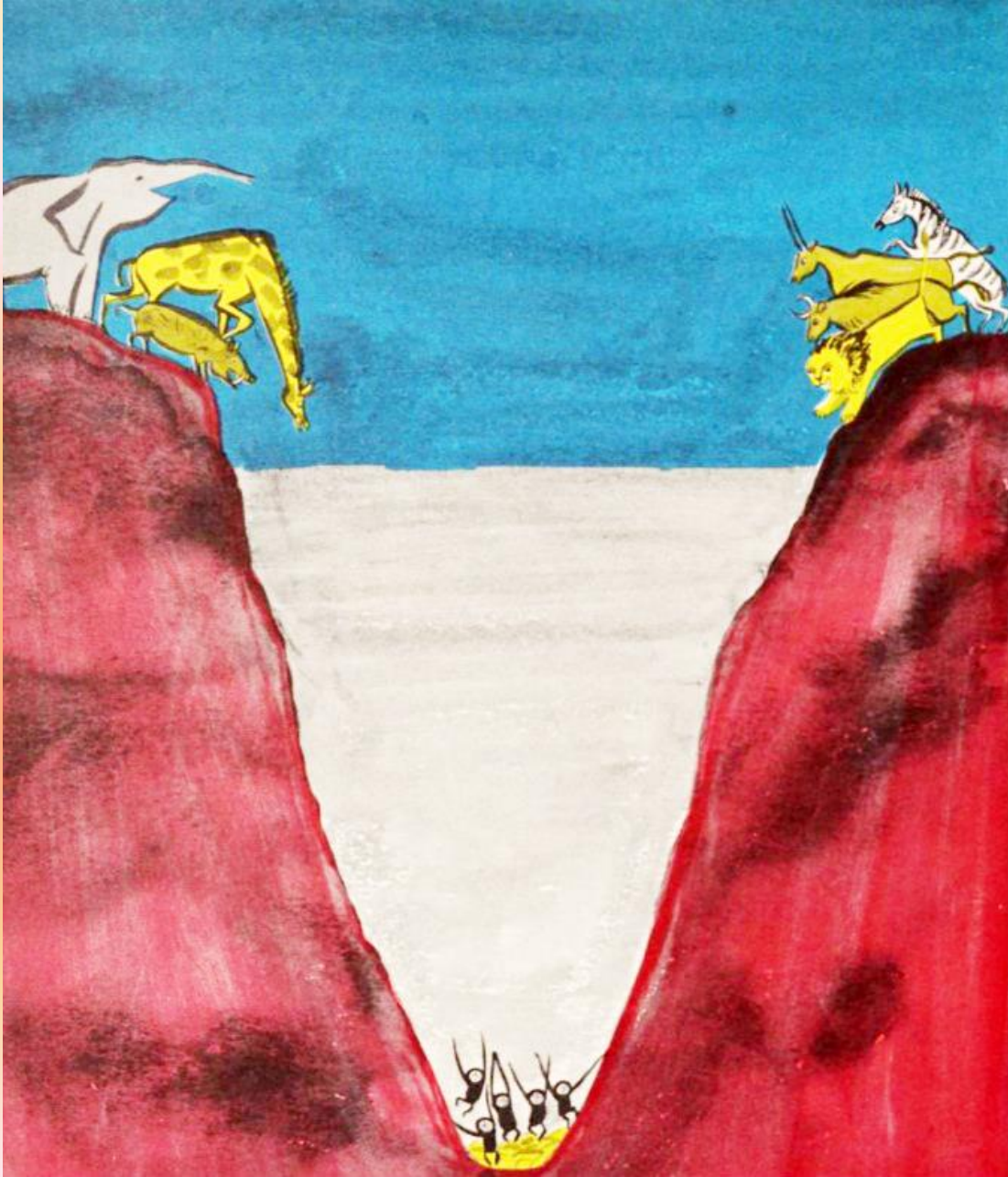
तभी उन्होंने ऊपर से हँसी की आवाज़ सुनी.

"तुम्हें केले कैसे लगे?" एलैंड ने पुकारा.

"शिकारी जल्द ही यहाँ आएँगे," छोटे हिरन ने कहा, "तुम्हें चिड़ियाघर ले जाने के लिए."

"ओह, तुमने यह योजना बनाई," बंदर चिल्लाए. "कृपया हमारी मदद करो. हम इसके बाद अच्छे होने का वादा करते हैं."

"मुझे तुम्हारी बात पर विश्वास नहीं हो रहा है," नीलगाय ने कहा.

केवल पेकरी ही बंदरों के लिए दुखी था. "मुझे लगता है कि यह बात अब बहुत आगे बढ़ चुकी है," उसने कहा. "क्या हम उन्हें चिड़ियाघर ले जाने के लिए वहाँ छोड़ सकते हैं? वे जितने भी बुरे हों, लेकिन यह काम उनके द्वारा किए गए किसी भी काम से ज़्यादा बुरा है."

"अच्छा, तुम क्या कहते हो?" शेर ने दूसरों से पूछा.

"हम उन्हें फिर कभी इस तरह के गड्ढे में नहीं डालेंगे," ज़ेबरा ने कहा.

"मुझे लगता है कि उन्होंने अपना सबक सीख लिया है," पेकरी ने कहा. "जल्दी से अपना मन बना लो! मैंने शिकारियों को आते हुए सुन सकता हूं."
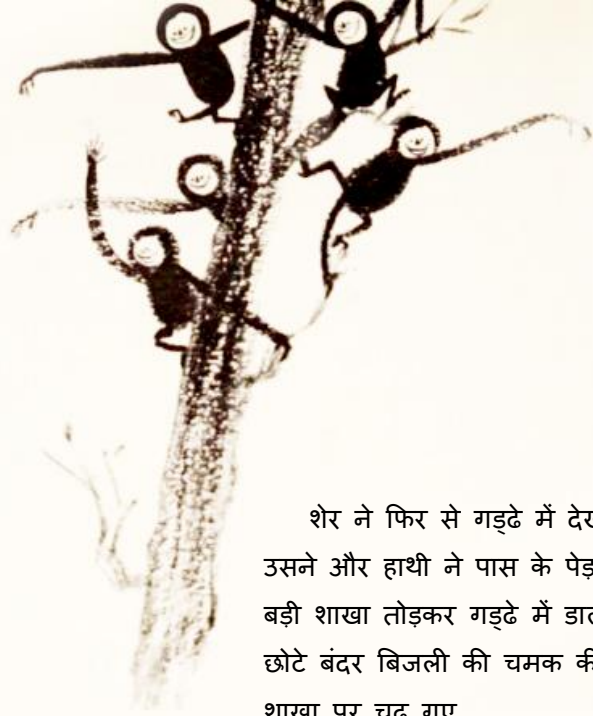
शेर ने फिर से गड्ढे में देखा. फिर उसने और हाथी ने पास के पेड़ से एक बड़ी शाखा तोड़कर गड्ढे में डाल दी. पाँच छोटे बंदर बिजली की चमक की तरह शाखा पर चढ़ गए.

"धन्यवाद. आपका बहुत धन्यवाद!" वे चिल्लाए. "हम आपको दिखाएंगे कि हम कितने अच्छे हो सकते हैं."

बंदर अपनी बात पर खरे उतरे. एक सप्ताह बाद भी वे शानदार व्यवहार कर रहे थे. बाली ने एक सुबह मैदान के सिर पर केले का छिलका गिराने पर "माफ़ करें" भी कहा. यह दुर्घटना ही रही होगी. बुलू ने पत्तियों के एक बड़े गुच्छे को झाड़ा और उन्हें जिराफ़ के नाश्ते के लिए ले गया. बीबी ने नारियल के खोल में पानी भरा और उसे माँ एलैंड के पास ले गई ताकि वह अपने बच्चे का चेहरा धो सके जब वह कीचड़ में गिर गया था. बिंकी ने एक बड़ा पंखा बनाया और दो पूरे घंटों तक हाथी की पीठ और कानों से मक्खियों को दूर रखा. बज़ो ने हर रात को पेकरी की मिठाई के लिए सबसे बढ़िया मेवे और जड़ें खोजीं.
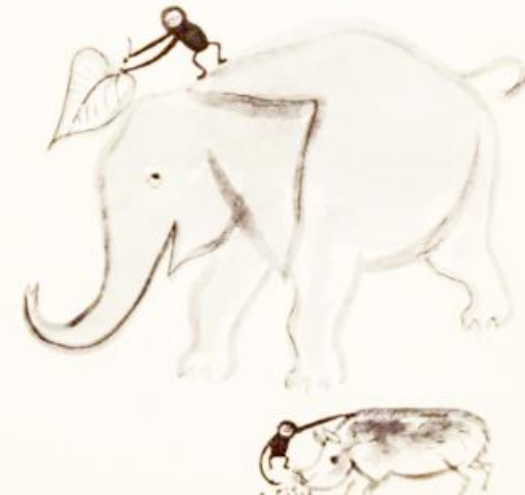
लेकिन अगले शुक्रवार को सभी बंदरों ने मिलकर कुछ अद्भुत किया. दोपहर का सूरज हमेशा की तरह गर्म चमक रहा था, और जानवर शाम की सैर से पहले आराम कर रहे थे. शेर अपने हमेशा के पेड़ के नीचे था. एलैंड अपनी आँखें बंद करके घास चबा रहा था. हाथी पानी के गड्ढे के किनारे पर झुका हुआ था. ज़ेबरा चुपचाप खड़ा अपनी धारियाँ गिन रहा था और टिप्पणी कर रहा था कि क्वागा की तुलना में उसकी धारियाँ कितनी सुंदर थीं. पेकरी कीचड़ में डूबा हुआ था, यह सोचकर कि कीचड़ दुनिया की सबसे प्यारी चीज़ थी.

जैसे ही पेकरी की नाक कीचड़ में धंसी, जंगल के सबसे घने हिस्से से एक भयानक दहाड़ उठी. पहली दहाड़ ने जानवरों को अपने पैरों पर खड़ा कर दिया: दूसरी दहाड़, जो बहुत करीब थी, ने उन्हें दौड़ना शुरू करा दिया: तीसरी दहाड़ ने टाइगर द टेरिबल को उनकी आँखों के सामने ला दिया. पेकरी कीचड़ से बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहा था, लेकिन वह फंस गया था और एक मिनट के अंदर ही टेरिबल उसके पीछे था.
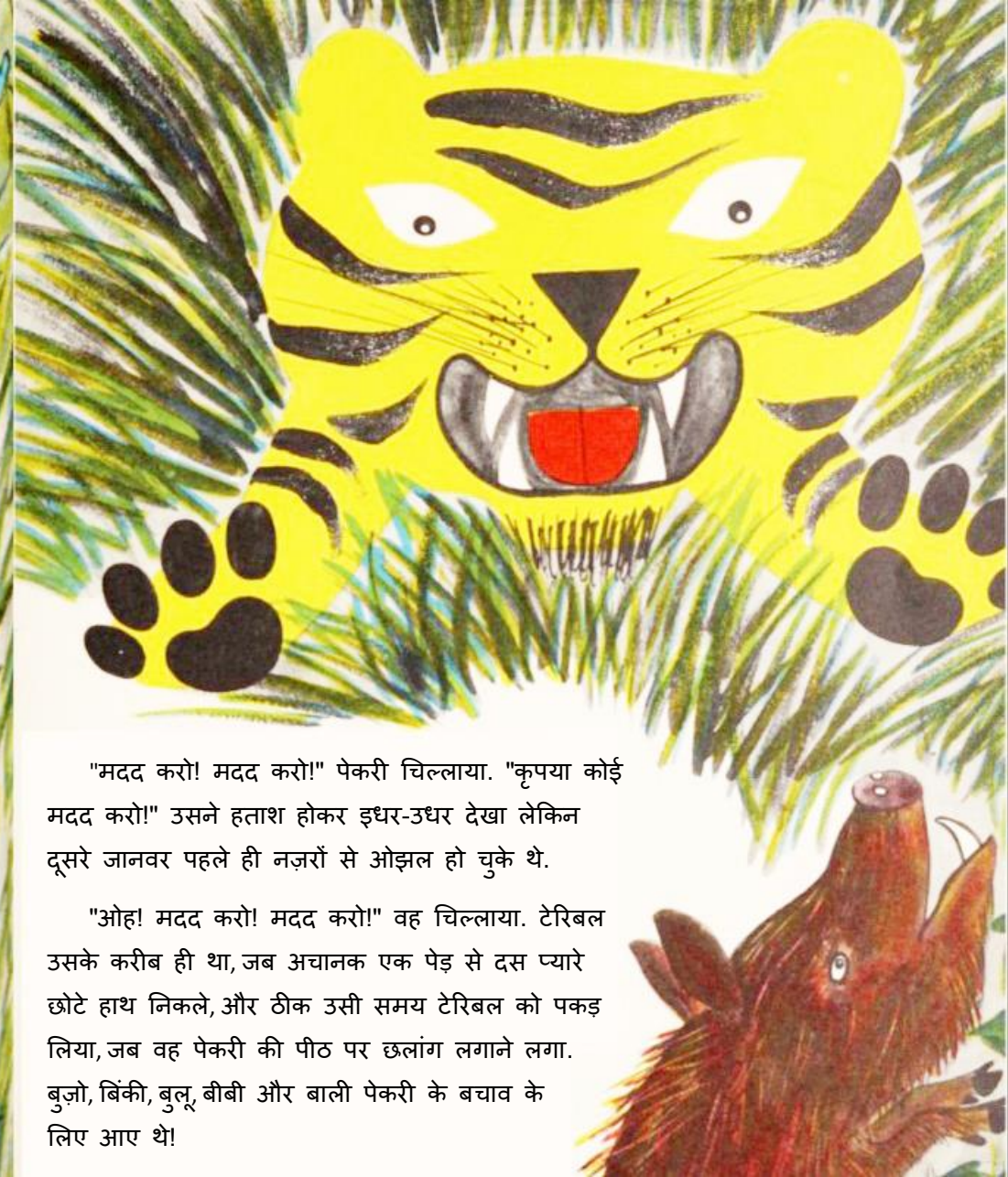
"मदद करो! मदद करो!" पेकरी चिल्लाया. "कृपया कोई मदद करो!" उसने हताश होकर इधर-उधर देखा लेकिन दूसरे जानवर पहले ही नज़रों से ओझल हो चुके थे.

"ओह! मदद करो! मदद करो!" वह चिल्लाया. टेरिबल उसके करीब ही था, जब अचानक एक पेड़ से दस प्यारे छोटे हाथ निकले, और ठीक उसी समय टेरिबल को पकड़ लिया, जब वह पेकरी की पीठ पर छलांग लगाने लगा. बुज़ो, बिंकी, बुलू, बीबी और बाली पेकरी के बचाव के लिए आए थे!

बुज़ो ने टेरिबल के कान पकड़ लिए. बुलू ने उसकी दुम पकड़ी और उसे कस कर पकड़ लिया. बीबी और बिंकी ने उसकी मोटी धारीदार पीठ को खींचा. उन्होंने टेरिबल को हवा में उछाल दिया. वह गुर्राया और चिल्लाया, लेकिन बाली ने नीचे पहुँचकर उसकी मूंछें पकड़ लीं. टेरिबल ने फिर से दहाड़ लगाई. यह दूसरों की तरह नहीं थी; वो एक गुस्से से भरी कराह थी.

"मुझे जाने दो, तुम भयानक छोटे बंदरों, नहीं तो मैं तुममें से हरेक को काटूंगा," वह गुर्राया.

"बस कोशिश करो. देखो, क्या तुम कर सकते हो." और बंदरों ने उसे इतनी जोर से आगे-पीछे घुमाया कि वह लगभग अधमरा हो गया.

अन्य जानवर चुपचाप पीछे की ओर रेंग रहे थे कि क्या हो रहा है. जब उन्होंने टेरिबल को हवा में आगे-पीछे झूलते देखा तो वे उत्साह से चिल्ला उठे.

"बहुत अच्छा!" छोटे हिरन ने पुकारा.

"यह एक ऐसा दृश्य है जिसके बारे में मैंने सिर्फ सपना ही देखा था," छोटे हिरन ने कहा.

"और मैं," हाथी ने तुरही बजाई.

"उसे पेड़ से कसकर बाँध दो," एलैंड ने पुकारा.

"अद्भुत," क्वागा ने कहा. "और उसे हमेशा के लिए वहीं छोड़ दो."

"मत करो," टेरिबल काँप उठा. "मुझे जाने दो, मुझे नीचे उतार दो. मैंने किसी को चोट तक नहीं पहुँचाई."
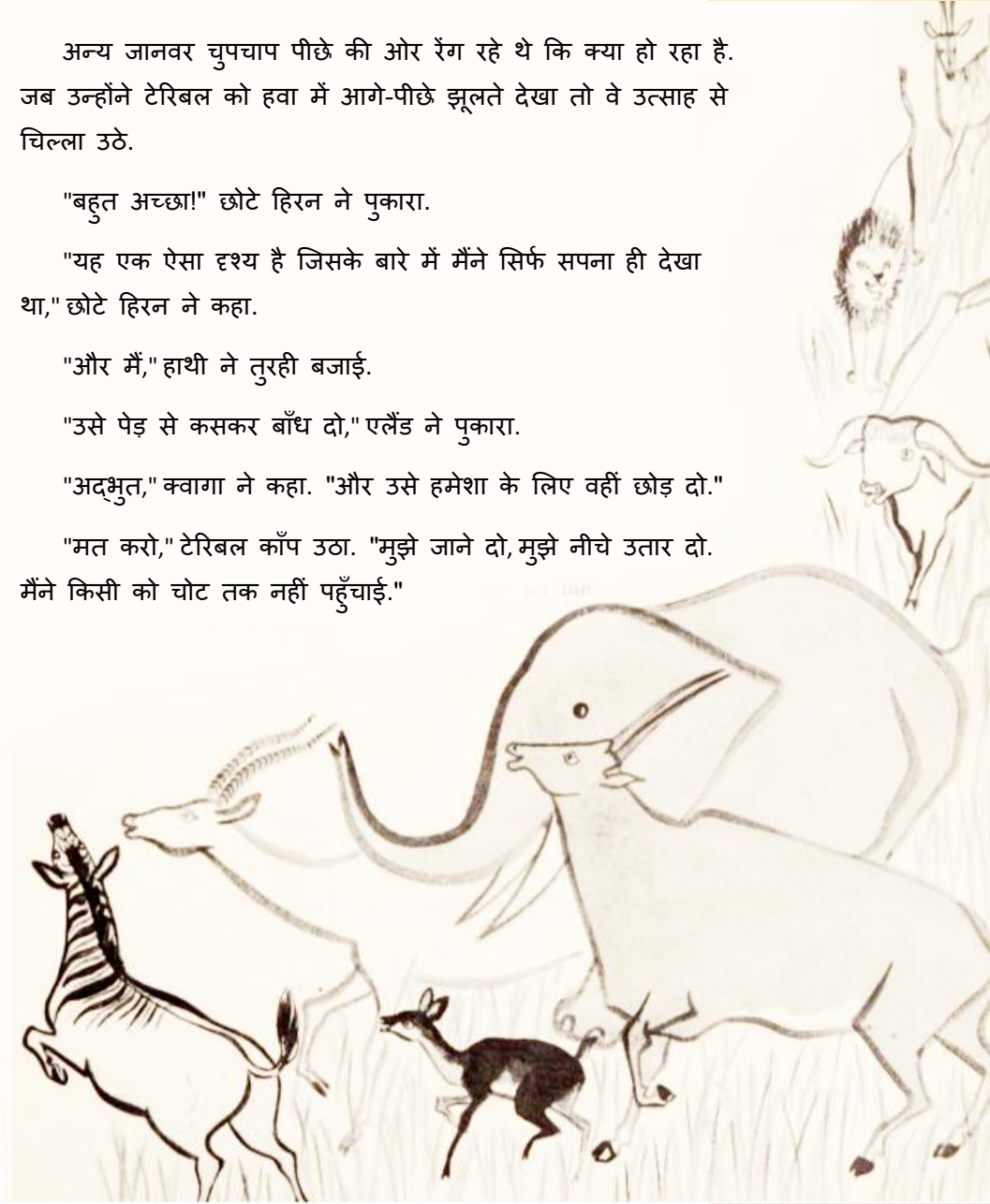
"इस बार तुमने कुछ नहीं किया," बुज़ो ने कहा. अपने दाँत पीसते हुए और टेरिबल के कानों पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए.

"मुझे नीचे उतार दो," टेरिबल ने विनती की. वह अब वास्तव में भयभीत था और कराहने और रोने लगा था. "कृपया, मैं अच्छा रहूँगा. जब तक तुम आराम करोगे मैं मैदान की रखवाली करूँगा और जब शिकारी आएँगे तो तुम्हें चेतावनी दूँगा."

बंदरों ने उसे एक और झटका दिया. "गुस्सा! ऊम्फ!" टेरिबल को बहुत बुरा लग रहा था. उसका चेहरा भी थोड़ा हरा हो गया था. "अब रुक जाओ," उसने बहुत अच्छी आवाज़ में कहा. "कृपया."

पेकरी, हमेशा की तरह, किसी दूसरे जानवर को चोट लगने के बारे में सोच भी नहीं सकता था, यहाँ तक कि टेरिबल को भी. "मुझे लगता है कि हमें उसे एक मौका देना चाहिए, जैसे हमने बंदरों को दिया था," उसने कहा.

शेर गहराई से सोच रहा था. "मुझे लगता है कि टेरिबल अपना वादा निभाएगा," उसने अचानक कहा. "अगर वह नहीं करता है तो बंदर किसी और समय उसका ख्याल रखेंगे. ठीक है, लड़कों," उसने बुज़ो, बिंकी, बाली, बीबी और बुलू को पुकारा. "उसे नीचे उतारो."

"एक" बिंकी चिल्लाया.

"दो... तीन!" फिर वे सभी एक साथ छूट गए और टेरिबल एक जोरदार धमाके के साथ गिर गया. वह अपने पेट के बल लेट गया.
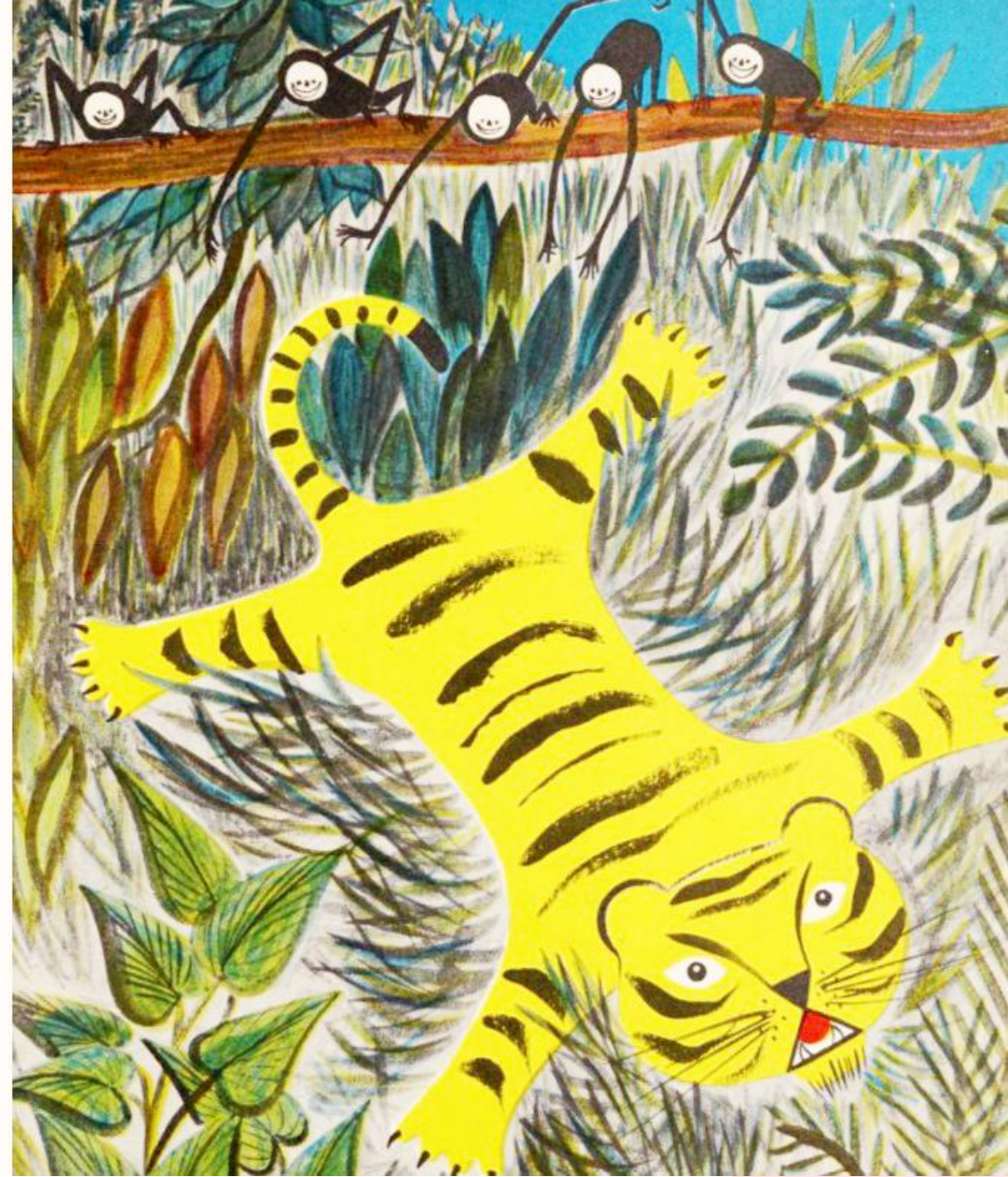
"अब," शेर ने कहा, "जाओ और तुरंत पहरा दो, टेरिबल. और ध्यान रहे कि तुम अच्छा काम करना." जानवर खड़े होकर बाघ को देखते रहे, क्योंकि वह मैदान के किनारे की ओर खिसक गया था. शेर ने कहा, "मुझे लगता है कि हमें पाँच छोटे बंदरों को उनके द्वारा किए गए सबसे बड़े अच्छे काम के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए."

और फिर "हिप-हिप हुर्रे," जंगल में तीन बार गूंजा, "पाँच छोटे बंदरों के लिए हिप-हिप हुर्रे."

फिर शेर धीरे-धीरे अपने विशाल पेड़ पर वापस चला गया. उसने अपने झबरे बालों को हिलाया और जल्द ही वो सो गया. हाथी और दरियाई घोड़ा एक साथ पानी के गड्ढे में चले गए. एलैंड वहाँ खड़ा था जहाँ घास सबसे घनी और सबसे ठंडी थी. मस्से वाला सूअर ठंडी काली मिट्टी में नीचे की ओर मुँह करके बैठा था. जंगली सुअर पेकेरी उसके बगल में रेंग रहा था. पाँच छोटे बंदर अपने पसंदीदा केले के पेड़ पर चढ़ने लगे, लेकिन वे इतने थके हुए थे कि वे शेर की नाक के ठीक नीचे एक रोएँदार भूरे रंग के ढेर में सो गए.